



याद रखें

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस 10 सितम्बर 2016

मॉप-अप दिवस 17 सितम्बर 2016

स्कूल रिपोर्टिंग फार्म जमा करने की अंतिम तिथि 22 सितम्बर 2016

ध्यान दें:

1. इस पृष्ठ/पन्ने के पीछे राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस का स्कूल रिपोर्टिंग फॉर्म है।
2. इस पृष्ठ/पन्ने को हैंडआउट से अलग करें।
3. सुनिश्चित करें कि हैडमास्टर इस रिपोर्टिंग फॉर्म में सही आंकड़े भरें और ए एन एम को सही समय पर दर्ज करें।

रिपोर्टिंग गाईडलाइंस (स्कूल)

रिकॉर्डिंग

- प्रत्येक टीचर राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस पर दवाई देने के साथ-साथ कक्षा के उपस्थिति रजिस्टर में हर बच्चे के नाम के सामने एक सही का (✓) निशान लगाए।
- मॉप-अप दिवस पर दवाई खाने वाले हर बच्चे के नाम के आगे दो सही का (✓✓) निशान लगाए।

रिपोर्टिंग

- प्रत्येक टीचर राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस और मॉप अप दिवस पर दवाई खाये बच्चों की संख्या अलग-अलग गिनती करें और हैडमास्टर को जमा करें।
- हैडमास्टर बच्चों की संख्या लिखने से पहले सुनिश्चित करें कि गिनती सही की गई है। इसमें अपने स्कूल के किसी एक टीचर से आकड़ों की गणना अवश्य कराएँ।
- हैडमास्टर सभी वर्गों के आकड़ों को स्कूल रिपोर्टिंग फॉर्म में भर कर समय सीमा पर ए एन एम को दें। बची हुई दवाई भी ए एन एम को दें।
- रिकॉर्ड और सत्यापन (वेरिफिकेशन) के लिए रिपोर्टिंग फॉर्म की एक कॉपी स्कूल अपने पास रखें।



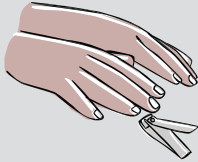
राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस पर स्वाति स्कूल गई और उसने कृमि नियंत्रण की दवाई ली



अब स्वाति स्वस्थ महसूस करती है, और वह समुदाय में अपने दोस्तों को इन आवश्यक बातों के बारे में बताती है

कृमि नियंत्रण की दवाई खाने के साथ-साथ कृमि संक्रमण की रोकथाम के लिए महत्वपूर्ण व्यवहार

नाखून साफ
और छोटे रखें



हमेशा साफ
पानी पियें



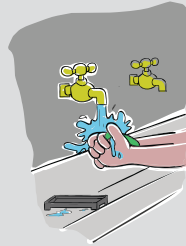
खाने को ढक
कर रखें



साफ पानी
में फल व
सब्जियाँ धोएँ



अपने हाथ साबुन से
धोए, विशेषकर खाने
से पहले और शौच
जाने के बाद



आस पास
सफाई रखें



जूते पहनें



खुले में शौच न
करें, हमेशा शौचालय
का प्रयोग करें



इन व्यवहार के बारे में समुदाय में नियमित रूप से जानकारी दें



स्वाति को कृमि मुक्त
कराना आपकी ज़िम्मेदारी है



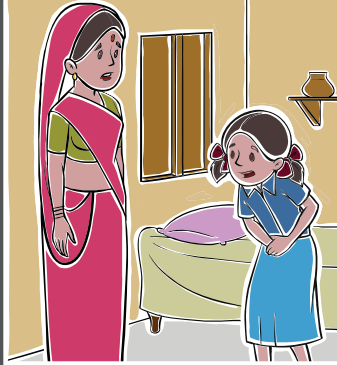


राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस

टीचर के लिए हैंडआउट

गाँव के दूसरे बच्चों की तरह स्वाति भी अक्सर खुले में शौच जाती है

वह अक्सर नंगे पैर घर के बाहर खेलती है और हाथ धोये बिना खाना खाती है



हाल ही में, स्वाति की माँ ने देखा कि उसे लगातार पेट में दर्द रहता है



दस्त और कमजोरी के कारण वह रोज़ाना स्कूल भी नहीं जा पाती

मास्टर जी! स्वाति को पेट में दर्द क्यों रहता है?

संभव है कि स्वाति के पेट में कृमि हों

कृमि संक्रमण के मुख्य बिंदु:

कृमि क्या हैं?

कृमि परजीवी होते हैं। जो जीवित रहने के लिए मनुष्य की आंत में रहते

बच्चों में आम तौर पर तीन तरह के कृमि पाए जाते हैं

राउंड कृमि

व्हिप कृमि

हुक कृमि



कृमि संक्रमण चक्र

1. संक्रमित बच्चे के शौच में कृमि के अंडे होते हैं। खुले में शौच करने से ये अंडे मिट्टी में मिल जाते हैं और विकसित होते हैं।



3. संक्रमित बच्चों में कृमि के अंडे व लार्वा रहते हैं और बच्चों के स्वास्थ्य पर हानि पहुंचाते हैं।



2 अन्य बच्चे नंगे पैर चलने से, गंदे हाथों से खाना खाने से या फिर बिना ढका हुआ भोजन खाने से, लार्वा के संपर्क में आने से संक्रमित हो जाते हैं।

कृमि कई कारणों से बच्चे के पेट में पहुंच सकते हैं-

- नंगे पैर खेलने से
- बिना हाथ धोये खाना खाने से
- खुले में शौच करने से
- साफ-सफाई ना रखने से

कृमि संक्रमण के हानिकारक प्रभाव-

- खून की कमी (एनीमिया)
- कुपोषण
- भूख न लगना
- थकान और बैचेनी
- पेट में दर्द, मितली, उल्टी और दस्त आना
- वज़न में कमी आना

बच्चों को कृमि नियंत्रण के फायदे-

सीधे फायदे

- खून की कमी में सुधार
- बेहतर पोषण स्तर

अनुमानिक फायदे

- स्कूल और आंगनवाड़ी केन्द्रों में उपस्थिति तथा सीखने की क्षमता में सुधार लाने में मदद
- भविष्य में कार्यक्षमता और औसत आय में बढ़ोतरी
- वातावरण में कृमि की संख्या कम होने पर समुदाय को लाभ मिलता है

एल्बेंडॉजोल की गोली कृमि नियंत्रण में मदद करती है



10 सितम्बर 2016 राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस

इस दिन 1-19 वर्ष आयु के सभी बच्चों को एल्बेंडॉजोल दवाई आंगनवाड़ी और स्कूलों में निःशुल्क दी जाएगी।

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस पर टीचर के तौर पर आपकी मुख्य भूमिका



राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस से पहले

आवश्यक सामग्री की चेकलिस्ट-

- पर्याप्त मात्रा में दवाई सुनिश्चित करें
- ए.एन.एम और स्थानीय स्वास्थ्य केन्द्र के फोन नंबर सम्भाल कर रखें
- राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस रिपोर्टिंग फॉर्म
- कृमि नियंत्रण कार्यक्रम के बारे में बच्चों, माता-पिता और समुदाय को जागरूक करें
- बच्चों को सुबह होने वाली एसेम्बली में और कक्षा में पढ़ाते समय यह जानकारी दें
- पोस्टर बैनर आदि आई ई सी को सही तरीके से लगाए ताकि सभी उसे पढ़ पाए
- माता-पिता को राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस की तिथि अवश्य बतायें ताकि वे अपने बच्चों को इस दिन स्कूल में जरूर ले जाए
- राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस की प्रशिक्षण/ जानकारी, आवश्यक सामग्री अपने स्कूल में अन्य टीचर को अवश्य दें।

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस पर

सुनिश्चित करें कि आपके आसपास ये सुविधाएँ जरूर हों

- साफ पानी और पीने के लिए गिलास
- पर्याप्त मात्रा में दवाई
- गोली चूरा करने के लिए चम्मच
- आपातकालीन फोन नंबर
- उपस्थिति रजिस्टर

कृमि मुक्ति दिवस पर छूट गए बच्चों के घर दोबारा जाएं और मॉप-अप दिवस पर आने के लिए प्रेरित करें

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के बाद

- टीचर राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस और मॉप अप दिवस की संख्या अलग-अलग गिनती करें और हैडमास्टर को जमा करें।
- हैडमास्टर सभी कक्षाओं की जानकारी का संकलन करके स्कूल रिपोर्टिंग फॉर्म 22 सितम्बर 2016 तक तक ए.एन.एम को सौंप दें।
- राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के बाद बच्चों और माता-पिता को प्रोत्साहित करें कि वे कृमि संक्रमण की रोकथाम के लिए साफ-सफाई का ध्यान रखें।



टीचर के लिए हैंडआउट

ध्यान दें:

1

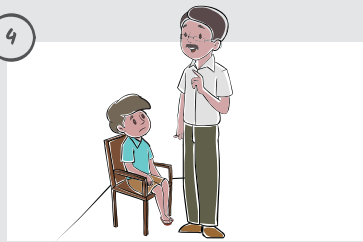


पूरी

एल्बेंडॉजोल 400 mg (चबाने वाली गोली)

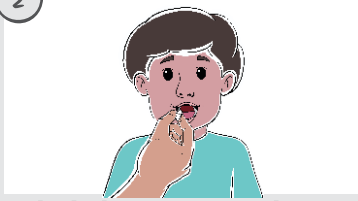
6-19 साल के बच्चों के लिए 1 पूरी गोली दें

4



जो बच्चे बीमार हैं या कोई अन्य दवाई ले रहे हैं उन्हें कृमि संक्रमण की दवाई न दें

2



बच्चों को गोली चबाकर ही खाने का निर्देश दें। पीने का पानी साथ रखें। टीचर अपने सामने ही हर बच्चे को दवाई खिलाएँ। दवाई घर ले जाने ना दें।

5



जो बच्चे राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस पर किसी भी कारण छूट जाते हैं, उन्हें दवाई मॉप-अप दिवस पर दें। बच्चे के नाम के सामने रजिस्टर पर सही के दो (✓) निशान लगाए

3



कृमि मुक्ति दिवस पर दवाई देने के साथ-साथ उपस्थिति रजिस्टर में हर बच्चे के नाम के सामने सही का एक (✓) निशान लगाएं

6



राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस और मॉप-अप दिवस पर लगाए ✓ और ✓ की संख्या अलग-अलग संकलित कर हैडमास्टर को बची हुई दवाई के साथ दें

यह दवाई बच्चों और बड़ों के लिए सुरक्षित है

- जिन बच्चों में कृमि होते हैं, उन्हें दवाई खाने पर कुछ मामूली लक्षण जैसे-जी मचलना, पेट में हल्का दर्द, उल्टी, दस्त और थकान महसूस हो सकती है। घबरायें नहीं। प्रतिकूल नीति चरणों का पालन करें।

- यह साइड इफेक्ट्स अस्थायी होते हैं और आम तौर पर आसानी से आंगनवाड़ी में संभाले जा सकते हैं।

- किसी भी प्रकार के साइड-इफेक्ट होने पर, बच्चे को खुली छायादार जगह में लिटाकर आराम कराएँ। उसे पीने का साफ पानी दें।



- एल्बेंडॉजोल आसानी से चबाने वाली गोली है। अगर गोली का टुकड़ा गले में अटक जाए तो बच्चे को छाती के बल अपनी गोद में लिटाएँ और उसकी पीठ हल्के से थपथपाएँ जिससे गोली निकल जाए।

- किसी भी चिकित्सिक सहायता के लिए 108 नम्बर पर फोन करें।

आम तौर पर पूछे जाने वाले प्रश्न:

1. मुझे सभी बच्चों को कृमि नियंत्रण की दवाई क्यों देनी चाहिए, जबकि कुछ बच्चे बीमार प्रतीत नहीं होते?

- कृमि संक्रमण चक्र की रोकथाम के लिए यह दवाई सभी बच्चों को देना आवश्यक है।
- हो सकता है कि कृमि संक्रमण के प्रभाव तुरंत दिखाई न दें लेकिन वे बच्चों के स्वास्थ्य, शिक्षा और संपूर्ण विकास को लंबे समय तक नुकसान पहुंचा सकते हैं। कृमि नियंत्रण की दवाई कृमि संक्रमण की रोकथाम करती है।
- कृमि नियंत्रण की दवाई बच्चों के लिए बहुत सुरक्षित और असरदार है जिसे WHO और स्वास्थ्य मंत्रालय, भारत सरकार ने कृमि नियंत्रण कार्यक्रम के लिए संस्तुत किया है। प्रत्येक बच्चे में कृमि संक्रमण की जांच करना सरल नहीं है। इससे बेहतर है कि एक निर्धारित दिन (कृमि मुक्ति दिवस) पर सभी 1-19 वर्ष के बच्चों को यह दवाई दी जाये।
- कृमि नियंत्रण की दवाई से बच्चों के संपूर्ण शारीरिक और मानसिक विकास में मदद मिलती है।

2. क्या यह दवाई खाली पेट दी जा सकती है?

हाँ, यह दवाई खाली पेट भी दी जा सकती है। दवाई चबा कर ही खाने का निर्देश दें।

3. मुझे कृमि नियंत्रण कार्यक्रम की रिपोर्टिंग का काम क्यों सौंपा गया है?

कृमि नियंत्रण की दवाई लेने वाले प्रत्येक बच्चे की सही जानकारी, समय पर रिपोर्ट करने से कार्यक्रम की सफलता जानने में मदद मिलती है। यह बहुत ज़रूरी है और यह आपकी ज़िम्मेदारी भी है।

महत्वपूर्ण निर्देश

• सुनिश्चित करें कि राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस किट की पूरी सामग्री आपको प्रशिक्षण के समय प्राप्त हुई है:

दवाई + यह हैंडआउट + आई ई सी + रिपोर्टिंग फॉर्म = राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस किट

• प्रशिक्षण के पश्चात अपने स्कूल के बाकी सभी टीचर को कार्यक्रम से जुड़ी जानकारी, प्रशिक्षण एवं आवश्यक सामग्री दें।

बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए इस कार्यक्रम को उत्साहपूर्वक और निर्देश अनुसार करें।

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस स्कूल रिपोर्टिंग फॉर्म

*नीचे दिये गए सभी विवरण भरे और किसी भी बॉक्स को खाली ना छोड़े।

कृपया सभी खाली बॉक्स भरें एवं कोई कॉलम खाली न छोड़ें।

राज्य	उप-केन्द्र का नाम		ज़िला का नाम	
ब्लॉक का नाम			ग्राम/नगर का नाम	
स्कूल का नाम			स्कूल का DISE कोड	
स्कूल का प्रकार	सरकारी/सरकारी अनुदान: ☐ निजी/प्राइवेट ☐			
क्या आपके स्कूल से किसी ने डिजिटल कृमि मुक्ति की प्रशिक्षण में भाग लिया था? (हाँ/नहीं)				

एल्बेडॉजोल कवरेज	लड़कियाँ	लड़के	कुल
स्कूल में नामांकित बच्चों की कुल संख्या (6-19 साल)			(A)
नामांकित बच्चों की कुल संख्या (कक्षा 1-5) जिन्हें कृमि मुक्ति दिवस एल्बेडॉजोल की दवाई दी गयी			(1)
नामांकित बच्चों की कुल संख्या (कक्षा 1-5) जिन्हें मॉप-अप दिवस पर एल्बेडॉजोल की दवाई दी गयी			(2)
नामांकित बच्चों की कुल संख्या (कक्षा 6-12) जिन्हें कृमि मुक्ति दिवस पर एल्बेडॉजोल की दवाई दी गयी			(3)
नामांकित बच्चों की कुल संख्या (कक्षा 6-12) जिन्हें मॉप-अप दिवस पर एल्बेडॉजोल की दवाई दी गयी			(4)
कोई अन्य			
कुल योग: बच्चों की कुल संख्या जिन्हें एल्बेडॉजोल की दवाई दी गयी B=(1+2+3+4)	(B)		
स्कूल द्वारा सूचित कुल गंभीर प्रतिकूल घटनाओं की कुल संख्या (प्रतिकूल घटना रिपोर्टिंग प्रारूप प्रस्तुत करें)			
लॉजिस्टिक विवरण			
स्कूल को प्राप्त एल्बेडॉजोल गोलियों की कुल संख्या			
स्कूल द्वारा बच्चों को खिलायी गयी एल्बेडॉजोल की गोलियों की कुल संख्या (कृमि मुक्ति दिवस और मॉप-अप दिवस)			
स्कूल के पास बची एल्बेडॉजोल गोलियों की कुल संख्या			
हस्ताक्षरकर्ता का नाम (स्कूल हेडमास्टर)			
हस्ताक्षर (स्कूल हेडमास्टर)			
फॉर्म जमा करने की तिथि			
हेडमास्टर का फोन नम्बर			
किसी भी समस्या का निवारण हेतु अपने क्षेत्र की ए.एन.एम./एम.ओ.आई.सी. से संपर्क कर सकते हैं।			

स्कूल रिपोर्टिंग फॉर्म 22 सितम्बर 2016 तक ए एन एम के पास जमा करें

ए एन एम सभी स्कूल रिपोर्टिंग फॉर्मस को ब्लॉक पर 29 सितम्बर तक जमा करें

रिकॉर्ड और सत्यापन (वेरिफिकेशन) के लिए हेडमास्टर इस फॉर्म की दो कॉपी बनाए एक कॉपी ए एन एम को जमा करें और दूसरी कॉपी स्कूल में रखें।